No. of Printed Pages : 4

BSKC-131

बी. ए. (सामान्य)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर. 2021

बी.एस.के.सी.-131 : संस्कत पद्य साहित्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं। दिए गए निर्देशों के अनसार प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

भाग—क

1. अधोलिखित श्लोक की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 15×3=45

(क) वागर्थाविव सम्पक्तौ वागर्थप्रतिपत्तये।
जगत: पितरौ वन्दे पार्वतीपरमेश्वरौ॥

अथवा

भीमकान्तैर्नपगणै: स बभवोपजीविनाम।
अधष्यश्चाभिगम्यश्च यादौरत्नैरिवार्णव:॥

(ख) सर्वकार्यशरीरेष मक्त्वाऽङ्गस्कन्धपञ्चकम।
सौगतानामिवात्मान्यो नास्ति मन्त्रो महीभताम॥

अथवा

तङ्गत्वमितरा नाद्रौ नेदं सिन्धावगाधता।
अलङ्घनीयताहेतरुभयं तन्मनस्विनि॥

(ग) लभेत सिकतास तैलमपि यत्नत: पीडयन
पिबेच्च मगतष्णिकास सलिलं पिपासार्दित:।
कदाचिदपि पर्यटंछशविषाणमासादयेत
न त प्रतिनिविष्टमर्खजनचित्तमाराधयेत॥

अथवा

साहित्यसङ्गीतकलाविहीनस्साक्षात पश: पच्छविषाणहीन:।
तणं न खादन्नपि जीवमानस्तदभागधेयं परमं पशनाम॥

भाग—ख

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्नद्ध

नोट : निम्नलिखित के उत्तर लगभग **1000** शब्दों (प्रत्येक) में लिखिए। 15×2=30

2. भर्तहरि के शतकत्रय का परिचय लिखिए।

अथवा

मक्तक-काव्य के उदभव और विकास को स्पष्ट कीजिए।

3. महाकवि भारवि के जीवनवत्त एवं शैलीगत वैशिष्टय पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'शिशपालवध' महाकाव्य का कथासार अपने शब्दों में लिखिए।

भाग—ग

(लघ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** के उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए। प्रत्येक 5

4. आचार्य विश्वनाथ के अनसार महाकाव्य का लक्षण स्पष्ट कीजिए।

5. 'ऋतसंहार' खण्डकाव्य के वर्ण्य-विषय पर टिप्पणी लिखिए।

6. " 'नैषधीयचरित' महाकाव्य का अङ्गीरस शंगार है।" स्पष्ट कीजिए।

7. महाकवि कालिदास की कतियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. 'रावणवध' महाकाव्य की विषय-वस्त पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

9. ' शंगारशतक' का प्रतिपाद्य विषय क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

10. 'शिशपालवध' महाकाव्य के आधार पर नारद का चरित्र-चित्रण लिखिए।